

अटंग के आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान

कुपोषण दूर करने ग्रामीणों को किया जागरूक

कुरुद/नवप्रदेश। आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 03 अटंग में आंगन मिलान एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत अटंग की सरपंच श्रीमती गायत्री चेलक उपस्थित रहीं। उन्होंने कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए ग्रामीणों से जागरूक होकर बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

सरपंच गायत्री चेलक ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए परिवार के साथ-साथ पूरे



विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

कार्यक्रम के दौरान रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, स्वस्थ बालक प्रतियोगिता एवं किज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

समाज की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने समाज के प्रत्येक स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि

अज्ञात व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों से छात्राओं में भय का माहौल, स्कूल प्रबंधन ने थाने में दी लिखित शिकायत

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डोंगरगढ़ में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डोंगरगढ़ में छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। विद्यालय परिसर के आसपास एक अज्ञात व्यक्ति की कथित संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी सामने आने के बाद छात्राओं और अभिभावकों में चिंता का माहौल बताया जा रहा है। छात्राओं की ओर से उक्त व्यक्ति के संबंध में विद्यालय प्रबंधन को शिकायत किए जाने की बात सामने आई है।

छात्राओं के अनुसार, विद्यालय के आसपास एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा कथित रूप से उन्हें आपत्तिजनक इशारे किए जाते हैं। कुछ छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया है कि उक्त व्यक्ति कपड़े उतारकर आपत्तिजनक हरकतें करता है। छात्राओं का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों के कारण उन्हें विद्यालय आने-जाने के दौरान असहजता और भय का सामना करना पड़ रहा है।

मामले को लेकर छात्राओं ने विद्यालय के प्राचार्य को लिखित आवेदन देकर शिकायत किए जाने की जानकारी दी है। छात्राओं की

शिकायत सामने आने के बाद विद्यालय प्रबंधन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाना पुलिस को भी लिखित शिकायत दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

नव प्रदेश की रिपोर्ट के बाद मामला आया सामने

इस मामले को नव प्रदेश द्वारा प्रमुखता से सुने जाने के बाद विद्यालय प्रबंधन और पुलिस प्रशासन की सक्रियता बढ़ी। विद्यालय की ओर से अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत किए जाने की जानकारी सामने आई है।

प्राचार्य की अनुपस्थिति के दौरान विद्यालय का प्रभार संभाल रहे शिक्षक वसीम खान ने मामले से संबंधित जानकारी साझा करते हुए बताया कि छात्राओं की ओर से इस विषय में विद्यालय प्रबंधन को शिकायत की गई है। शिकायत के आधार पर मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है।

थाना प्रभारी ने विद्यालय पहुंचकर लिया जायजा : मामले

शिक्षक एवं ग्रामीण रहे उपस्थित रहे

कार्यक्रम में हिना छतरी, नरेंद्र साहू, प्राथमिक शाला के शिक्षक, रेणुका जी, रविंद्र पटेल, शीर्ष राज सहित सरपंच गायत्री चेलक, इंद्रजीत चेलक, जमुना चंद्राकर, तुलसी मेहर, लक्ष्मी शर्मा एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को नाश्ता वितरित किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से परिवार, समाज और गांव के विकास को नई दिशा मिलती है। उन्होंने केंद्र एवं सरकार द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और इनके प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर महिला

हितग्राही नीरा तारक एवं चुनेश्वरी साहू को महतारी सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं केंद्र में उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग के लिए इंद्रजीत चेलक को केंद्र में न्योता भोजन कराने के लिए सम्मानित किया गया।

स्वस्थ बालक प्रतियोगिता के तहत स्वस्थ बच्चे की माता अमृता पटेल को भी सम्मानित किया गया।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के दिल में गूंज रही पानी की गर्जना

कुलाप जलप्रपात की सुंदरता को देखकर पर्यटकों का दिल बरबस खीचा चला आ रहा

मैनपुर/नवप्रदेश। प्राकृतिक सुंदरता और घने जंगलों से घिरे गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व से एक बेहद खूबसूरत नजारा सामने आ रही है। रिजर्व के भीतर स्थित प्रसिद्ध कुलाप जलप्रपात इन दिनों अपने शबाब पर है लगातार बारिश मानसून के चलते इस झरने में पानी का बेहतरीन प्रवाह देखने को मिल रहा है, जिसकी गर्जना दूर-दूर तक सुनाई दे रही है और इसका मनमोहक दृश्य लोगों को



सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। क्षेत्र अपनी हरी-भरी वादियों और दुर्लभ वन्यजीवों के लिए जाना जाता है। लेकिन इन दिनों कुलाप जलप्रपात का उफ़ान पर बहता पानी पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। ऊंची चट्टानों से गिरती सफेद दूधिया धाराएं और आसपास का हरा-भरा वातावरण दृश्य को बेहद मनोरम बना रहा है। जलप्रपात की

तेज गर्जना से आसपास का पूरा इलाका गुंजायमान है, जिसे देखकर और सुनकर यहां पहुंचने वाले लोग रोमांचित हो रहे हैं।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के जंगल में कई मनोरम पहाड़ी और पहाड़ियों से गिरने वाले पानी की धार झरने को देखने का आनंद पर्यटकों को सिर्फ बारिश के दिनों में मिलता है पिछले कुछ दिनों से हो रही झमाझम बारिश और खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश के कारण इन दिनों लोगों को पहाड़ों के ऊपर से झरने गिरते मनोरम दृश्य देखने को मिला और यह मनोरम दृश्य नेशनल हाइवे 130 सी धवलपुर गरियाबंद मार्ग से दिखाई दे रहा है

श्री कृष्ण गौशाला कमेटी पिंजरपोल का निर्विरोध गठन

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। श्री कृष्ण गौशाला कमेटी पिंजरपोल, डोंगरगढ़ का निर्विरोध गठन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। अग्रवाल, ओसवाल एवं माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, तिलोक बोहरा एवं सुनील जी तापड़िया के विशेष प्रयासों से समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करते हुए समिति का सर्वसम्मत पैनल तैयार किया गया। समिति के गठन की प्रक्रिया में मारवाड़ी समाज के वरिष्ठ एवं सम्मानित श्री सिद्धगोपाल जी नरेडी, मारवाड़ी धर्मशाला अध्यक्ष श्री विजय (विज्जू) जी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री अक्षय भंडारी एवं श्री राजेन्द्र कोठारी का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। सभी सदस्यों के बीच आपसी सहमति एवं समन्वय के बाद समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ। गोविंद चोपड़ा के नेतृत्व एवं सानिध्य में गठित नई समिति में संरक्षक, आजीवन एवं साधारण श्रेणी के सदस्यों का शामिल किया गया है। समिति के गठन के दौरान गौसेवा, गौ संरक्षण एवं पिंजरपोल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य को प्रमुखता दी गई।

नगर पालिका द्वारा वार्ड नंबर 9 में सीसी रोड का निर्माण शुरू



सिमगा/नवप्रदेश। नगर पालिका ने शुरू कराया सीसी रोड का निर्माण, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष क विशेष सहयोग रहा स्थानीय निवासियों को मिलेगी कोचड़ और गड्डों से मुक्तिमुख्य (सिमगा) स्थानीय नगर पालिका प्रशासन द्वारा विचारित की गति देते हुए [वार्ड नंबर 09] में मुख्य मार्ग से लेकर मोहल्ले के रोड तक सीसी रोड (सीमेंट कंक्रीट सड़क) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है लंबे समय से इस मार्ग के जर्जर होने के कारण स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नगर पालिका अध्यक्ष हरदीप सिंह राजू भाटिया पार्षद खैरुन बी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण श्रीवास्तव (इंजीनियर) सुश्री कोकिला प्रधान ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया उन्होंने ठेकेदार को निर्देशित किया है कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का ही उपयोग किया जाए और काम को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। जिसमें वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि दिलजान खाना ने वार्ड वाशी के के साथ सीसी रोड़ का काम चालू कराने से पहले मोहल्ला वासी के साथ श्रीफल तोड़ कर अगरबत्ती जला कर पूजा अर्चना कर काम को शुरू करा गया जिसमें इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि दिलजान खाना का, फिरता कंडरा गाजू कंडरा संतोष यादव सुखदेव कंडरा नीलू यादव बृजलाल यादव किशन यादव विष्णु यादव, उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत इन्दागांव में हुआ शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार

मैनपुर/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान+ के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु चलित प्रचार वाहन का आज जगह जगह स्वागत किया गया इस दौरान इस प्रचार रथ का ग्राम इंदागाँव में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत करते हुए एलंडी के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को देखा और सुना इस अवसर पर ग्रामीणजनो ने चलित प्रचार वाहन के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं उनके उद्देश्यों से संबंधित जानकारी का श्रवण किया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा यह सेवा संकल्प रथ केवल एक वाहन नहीं है।

धानापुरी स्कूल में ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल, जांच और कार्रवाई की मांग

गुरुर/नवप्रदेश। विकासखंड गुरुर की ग्राम पंचायत धानापुरी में स्कूल जाने वाले मार्ग पर नाली के ऊपर बनाए गए नए स्लैब को लेकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 15 फीट लंबे स्लैब के निर्माण में नए सरिया की जगह पुराने सरिया का उपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल जाने वाले मार्ग में आवागमन को सुगम बनाने के लिए नाली के ऊपर स्लैब का निर्माण कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में पुराने सरिया का इस्तेमाल किया गया और उसे नए निर्माण में उपयोग किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे स्लैब की मजबूती और भविष्य में राहगीरों की सुरक्षा



को लेकर भी चिंता जताई गई है। इस मामले में ग्राम पंचायत के सचिव ने पुराने सरिया के उपयोग की बात स्वीकार करते हुए बताया कि उक्त निर्माण कार्य 15वें वित्त की राशि से कराया गया है। वहीं पंचायत के इंजीनियर का कहना है कि किसी नए निर्माण कार्य में पुराने सरिया का उपयोग नहीं किया जा सकता।

वहीं सरपंच से जानकारी लेने पर उनके द्वारा कार्य को ंगुड फेथ+ में किए जाने की बात कही गई। हालांकि, निर्माण में पुराने सरिया के

उपयोग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों को विकास कार्यों के लिए शासन से राशि उपलब्ध कराई जाती है, ऐसे में निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता के अनुरूप होना चाहिए। यदि नए निर्माण में पुराने निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया है तो इसकी तकनीकी जांच आवश्यक है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण कर निर्माण की गुणवत्ता, उपयोग की गई सामग्री तथा भुगतान की जांच कराने की मांग की है। अब सवाल यह है कि यदि नए निर्माण में पुराने सरिया का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी अनुमति किस आधार पर दी गई और निर्माण की गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी है?

बारिश बनी कई किसानों के लिए आफत कई एकड़ मक़्के की फसल जमीन में बिछी

मैनपुर/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के आदिवासी बहुल विकासखंड मैनपुर अंतर्गत राजापड़व, गौरगांव और सहैबिन कछार सहित सरहदी देवभोग इलाके में इन दिनों किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं। एक ओर जहां किसानों ने हाड़-तोड़ मेहनत कर हजारों हेक्टेयर में मक़्के की फसल लगा रखे थे जिसमे से कई किसानों की खड़ी मक़्के की फसल बारिश में गिर गई तो वहीं दूसरी ओर जंगलों से निकलकर आ रहे हिसक और उपद्रवी वन्य प्राणी किसानों की महीनों की कमाई को मिट्टों में बर्बाद कर रहे हैं। क्षेत्र के किसानों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह हुई बारिश से कई एकड़ फसल प्रभावित हुआ है तो वहीं बची खुची फसल को जंगलों से सेटे राजापड़व और आसपास के पहाड़ी इलाकों में



जंगली सूअर, भालू और बंदरों का दल दिन-रात मक़्के के खेतों पर धावा बोल रहा है। स्थिति यह है कि किसान अपनी तैयार फसल को बचाने के लिए कड़ुके की ठंड और रात के अंधेरे में रतजगा करने को मजबूर हैं, लेकिन इसके बावजूद नुकसान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासखंड मुख्यालय मैनपुर राजापड़व क्षेत्र के सुदूर

वनांचल ग्राम भूतवेड़ा के आदिवासी किसान मोतीराम नेताम पिता आयतू राम नेताम जाति गोड़ पर आप्त की बारिश कहर बनकर टूटी है। किसान मोतीराम ने इस साल कर्ज लेकर 6 एकड़ में मक्का की फसल लगाई थी। फसल में दान भर चुके थे लेकिन तीन दिन की लगातार मूसलाधार बारिश और तेज हवा से पूरी 4 एकड़ मक्का जमीन में गिर गई, तने टूट गए और मक़्के की फसल पानी में डूबकर सड़ने लगे हैं। पीड़ित किसान मोतीराम ने बताया मैंने खाद और बीज कर्ज में लिया था सोचा था मक्का बेचकर घर का खर्च और कर्ज चुकाऊंगा अब तो पूरी फसल बर्बाद हो गई।

परिजनों ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और चिरायु टीम से जुड़े अधिकारी कर्मचारी का जताया आभार

मैनपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु योजना) गरियाबंद जिले के वनांचल क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है। मैनपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सहैबिनकछार के एक आदिवासी परिवार की 3 वर्षीय मासूम बच्ची करीना नोगेश पिता भीखधर नोगेश को आँखों की गंभीर बीमारी 'रेटिनोब्लास्टोमा' से मुक्त कराकर नया जीवन दिया गया है। चिरायु दल अ मैनपुर की सजगता और



त्वरित पहल से बच्ची का एम्स हॉस्पिटल रायपुर में पूरी तरह निःशुल्क और सफ़्त उपचार संपन्न हुआ कहा जाए तो चिरायु टीम 3 साल की मासूम करीना के चेहरे की मुस्कान की वजह बन गईं मिली जानकारी के अनुसार इस संवेदनशील मामले में जिला गरियाबंद के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खंड चिकित्सा अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में चिरायु दल अ ने सक्रियता दिखाई। टीम के प्रमुख डॉ. रमन माथुर चिकित्सा

जाते-जाते दो जिंदगियों में भर गए रोशनी का उजाला

स्व. सुखबती वारिस के परिजनों ने नेत्रदान कर पेश की इंसानियत की मिसाल

अंधकार मिटाकर किसी के जीवन को प्रकाशमान कर देना ही मनुष्यता की सबसे पावन साधना है – बेलर गांव में शोक की घड़ी बनी नवदृष्टि का संकल्प

कुरुद/नवप्रदेश। जीवन की सार्थकता सांसों के थमने के बाद भी किसी के काम आ जाने में निहित है। ग्राम बेलर (डोगलापारा), विकासखंड नगरी में इसी सनातन मानवीय मूल्य की जीवंत मिसाल देखने को मिली, जहाँ स्व. सुखबती वारिस के देवलोकगमन के उपरांत उनके परिजनों ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान का अनुकरणीय निर्णय लिया। शोक के गहन क्षणों में भी परिवार द्वारा लिया गया यह विवेकपूर्ण फैसला

अंधकार में जी रहे लोगों के जीवन में नई सुबह लाने का माध्यम बना। **दृष्टि का महायज्ञः प्रशासनिक व स्वास्थ्य टीम की त्वरित तत्परता :** नेत्रदान की प्रक्रिया को समयबद्ध और संवेदनशीलता के साथ संपन्न कराने में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन और तकनीकी टीम की सक्रियता उल्लेखनीय रही। यह कार्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए. के. टोंडर, जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व निवारण) डॉ. राजेश सूर्यवंशी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. एन. सोम एवं डॉ. ए. के. नेताम, तथा जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व) गुरुशरण साहू के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रक्रिया को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए कुरुद एवं



नगरी विकासखंड की संयुक्त स्वास्थ्य टीम ने तत्परता दिखाईः **कुरुद टीमः** विकासखंड नोडल अधिकारी अंधत्व क्षितिज साहू, खंड नेत्रदान अधिकारी लोमेश कुरें एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय किशन नाग। नगरी व सांकरा टीमः विकासखंड नोडल अधिकारी अंधत्व योगेंद्र बोझा, खंड नेत्रदान अधिकारी नगरी देवेन्द्र साहू, आर.एम.ए. शिवेंद्र राजवाड़े तथा नेत्र चिकित्सा सहायक अधिकारी सांकरा रावेश साहू। पूरी टीम ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विधिवत और सम्मानपूर्वक कॉर्निया सुरक्षित करने की प्रक्रिया को पूर्ण किया। नेत्रदान का शाश्वत संदेशः नश्वर देह से अमर ज्योति का सफ़ मानव देह नश्वर है, किंतु परोपकार अमर रहता है। हमारी आँखें मृत्यु के बाद भी किसी



तीस साल पुराने रिश्तत मामले में निचली अदालत का फैसला बरकरार, हाईकोर्ट से पटवारी को मिली राहत, सरकार की अपील खारिज

नवप्रदेश/जबलपुर ।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजय एस. कलगांवकर की एकलपीठ ने लगभग तीस साल तक चले कानूनी विवाद के बाद तत्कालीन पटवारी को तीन सौ रुपये रिश्तत लेने के मामले में राहत देते हुए मामले में सरकार की अपील को खारिज कर याचिकाकर्ता को दोषमुक्त किए जाने के आदेश को उचित करार दिया है।

प्रकरण के मुताबिक सागर जिले के खुर्दू क्षेत्र के तत्कालीन पटवारी मुन्नालाल को तीन सौ रुपये की रिश्तत लेने के अपराध में जिला न्यायालय द्वारा दोषमुक्त कर दिया गया था। जिला अदालत के इस फैसले के



खिलाफ राज्य सरकार की अर से साल 1998 में उच्च न्यायालय में अपील दायर की गई थी। अभियोजन के अनुसार 17 अक्टूबर 1996 को डुल्लूकीट भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका जारी करने के एवज में

तत्कालीन पटवारी मुन्नालाल को शिकायतकर्ता वीर सिंह के हाथों तीन सौ की रिश्तत लेते हुए रंग हाथ पकड़ा गया था। इसी मामले में सुनवाई के बाद जिला न्यायालय ने आरोपी को दिसंबर 1997 में दोषमुक्त कर दिया

था। एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि अभियोजन को विश्वसनीय रूप से साबित करना आवश्यक था कि रकम अवैध के रूप से मांगी और स्वीकार की गई थी।परंतु रिश्तत मांग

की मूल रिकॉर्डिंग ट्रायल कोर्ट में सत्यापित नहीं की गई। आरोपी की आवाज की पहचान नहीं कराई गई और रिकॉर्डिंग की पूर्णता एवं शुद्धता का पर्याप्त प्रमाण भी नहीं दिया गया। इसलिए ट्रांसक्रिप्ट को मांग के विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार शिकायतकर्ता वीर सिंह पर 325 और ब्याज की सरकारी बकाया राशि थी। गवाहों और दस्तावेजों से यह संभावना सामने आई कि बरामद 300 रुपये सरकारी बकाया की अदायगी से संबंधित हो सकते थे। इसके साथ ही शिकायतकर्ता वीर सिंह के बयान में कई महत्वपूर्ण विसंगतियां सामने आईं। अलग-अलग

मौकों पर कथित रिश्तत की मांग 450 और 500 रुपये बताई गई। किन लोगों की मौजूदगी में रिश्तत की मांग की गई, इस संबंध में भी अलग-अलग बयान दिए गए। सुनवाई के बाद एकलपीठ ने कहा कि महज रिश्तत की रकम की बरामदगी और फिनालफथेलीन परीक्षण से रिश्तत मांगने और अवैध रूप से स्वीकार करने का अपराध सिद्ध नहीं होता। ट्रायल कोर्ट का निष्कर्ष उचित और साक्ष्य पर आधारित है, तो बरी किए जाने के फैसले में हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। इस मत के साथ एकल पीठ ने उक्त आदेश के साथ सरकार की अपील को निरस्त कर दिया।

बिजली पर जीएसटी दरें घटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन आज

जबलपुर। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने बिजली पर बढ़ाई गई जीएसटी दरों को तत्काल वापस लेने और बिजली सस्ती करने की मांग उठाई है। इस संबंध में मंच के प्रांताध्यक्ष डॉ. पी. जी. नाजपाण्डे ने घघषणा की है कि बढ़ी हुई दरों के विरोध में 1 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे घंटाघर के पास एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।डॉ. नाजपाण्डे के अनुसार, बिजली पर जीएसटी दर को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। दरों में इस बढोतरी से आम जनता और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। मंच ने मांग की है कि इस बढ़ी हुई जीएसटी दर को अविलंब वापस लिया जाए और बिजली की सस्ता किया जाए। प्रदर्शन को प्रभावो बनाने के लिए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच और सहयोगी जनसंगठनों ने शहर के नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से 1 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे घंटाघर के पास बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी भर्ती में सीआईटीएस की अनिवार्यता क्यों नहीं याचिका पर प्रशिक्षण महानिदेशालय और कर्मचारी चयन मंडल से जवाब: तलब

नवप्रदेश/जबलपुर । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे व न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्तपीठ ने आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी की भर्ती में क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम (सीआईटीएस) को अनिवार्य योग्यता नहीं बनाए जाने के मामले को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए महानिदेशालय (डीजीटी) और कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) को नोटिस जारी कर यह स्पष्ट करने को कहा है कि प्रशिक्षण अधिकारी जैसे पद के लिए सीआईटीएस को अनिवार्य क्यों नहीं किया गया। छतरपुर निवासी सिपाही लाल

अहिरवार एवं अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता राहुल सिंह ठकुर, ब्रेथरा राज त्रिपाठी और माहित प्यासी ने पक्ष रखा। याचिका में उल्लेख किया गया कि केंद्र सरकार ने आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारियों के लिए सीआईटीएस अनिवार्य करने के संबंध में राज्यों को पत्र भेजा था। इसके बाद बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और झारखंड में सीआईटीएस को अनिवार्य किया गया है, जबकि मध्यप्रदेश में प्रशिक्षण अधिकारी भर्ती के लिए यह अनिवार्य योग्यता नहीं है। याचिका में इसी आधार पर मौजूदा भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए न्यायालय को अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश में सीआईटीएस को अनिवार्य किए बिना प्रशिक्षण अधिकारियों की भर्ती की जा रही है। डीजीटी की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक सीआईटीएस में प्रशिक्षकों को तकनीकी कौशल के साथ प्रशिक्षण देने की विधि का प्रशिक्षण दिया जाता है और एनसीबीटी ने आईटीआई के सभी प्रशिक्षकों के लिए सीआईटीएस प्रशिक्षण अनिवार्य किया है। संयुक्तपीठ ने याचिका पर सुनवाई के बाद अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब कर लिया है।

शक्ति नगर के पुष्पांजलि मैदान में समिति ने प्रशासन से परंपरा के सम्मान की मांग की

35 वर्षों से चली आ रही मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना पर रोक-टोक का विरोध

नवप्रदेश/जबलपुर।

शक्ति नगर स्थित पुष्पांजलि मैदान में पिछले 35 वर्षों से चली आ रही मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना और दुर्गोत्सव की परंपरा को लेकर इस वर्ष भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। शक्ति युवा दुर्गोत्सव समिति का कहना है कि यह आयोजन क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था, धार्मिक परंपरा और सामाजिक एकता से जुड़ा है। समिति ने प्रशासन से आयोजन में अनावश्यक रोक-टोक नहीं करने तथा धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार पुष्पांजलि मैदान में हर वर्ष नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना, भजन, आरती और विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आयोजन में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। समिति का कहना है कि 35 वर्षों से लगातार चल



रही यह परंपरा अब क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बन चुकी है। **स्मार्ट सिटी और टेंडर के नियमों पर जताई आपत्ति:** समिति का आरोप है कि इस वर्ष आयोजन की तैयारियों के दौरान क्षेत्रवासियों के समक्ष स्मार्ट सिटी के नियमों अथवा किसी टेंडर से जुड़े प्रावधानों का हवाला देकर आयोजन में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश की जा रही है। समिति

पदाधिकारियों का कहना है कि धार्मिक आयोजन के लिए वर्षों से उपयोग में आ रहे स्थान पर अचानक नियमों के नाम पर रोक-टोक करना उचित नहीं है। समिति का कहना है कि आयोजन किसी व्यक्ति विशेष का निजी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। इसलिए प्रशासन को नियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे परंपरागत आयोजन भी

धर्म भक्ति है... शोर नहीं-जुलूसों में डीजे की धमक पर अब छिड़ी बहस

नवप्रदेश/जबलपुर।

धार्मिक जुलूस हमारी आस्था, परंपरा और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन भक्ति के नाम पर तेज आवाज और कानफोड़ ध्वनि व्यवस्था को लेकर अब समाज के भीतर से ही गंभीर सवाल उठने लगे हैं। एक जुलूस में 20-25 बड़े साउंड सिस्टम और डीजे के साथ अत्यधिक तेज आवाज को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या यही वास्तव में भक्ति का प्रमाण है। इस मुद्दे को और गंभीर बनाने वाली घटना बलरामपुर में सामने आई, जहां धार्मिक जुलूस के दौरान दूसरी कक्षा की एक छात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। समाचारों के अनुसार पीड़ित परिवार ने जुलूस की तेज आवाज को मौत का कारण बताया है, जबकि पुलिस ने मामले की जांच किए जाने की बात कही है। घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी, लेकिन इस हादसे ने धार्मिक आयोजनों में ध्वनि की सीमा, समय और स्थान को लेकर समाज के सामने एक अहम सवाल जरूर खड़ा कर दिया है।

धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्ति के प्रतीक होते हैं, लेकिन अस्पतालों, स्कूलों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास ध्वनि को नियंत्रित रखना आयोजकों और प्रशासन दोनों की सामाजिक जिम्मेदारी मानी जा रही है। विशेषज्ञों और आम नागरिकों का मानना ​​है कि निर्धारित ध्वनि सीमा और समय का पालन, सीमित साउंड सिस्टम का इस्तेमाल तथा सेवेदनशील स्थानों के पास विशेष सावधानी जैसे कदम किसी धार्मिक परंपरा के विरुद्ध नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन और दूसरों की सुविधा के सम्मान का हिस्सा है।



चिकित्सा यूनिवर्सिटी संघर्ष मोर्चा का गठन

जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चिकित्सा यूनिवर्सिटी जबलपुर का एकतरफा विखंडन तथा यूनिवर्सिटी के विभिन्न संकाय के छात्रों की शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज बुलंद करने हेतु विभिन्न संस्थाओं द्वारा एकजुट होकर चिकित्सा यूनिवर्सिटी संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया ततसंबंध में विगत दिवस कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। संघर्ष मोर्चा में अधिभावक संगठन, युवा प्रकोष्ठ नागरिक उपभोक्ता मंच, नर्सिंग स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन, जन कल्याण संघ, सीनियर सिटीजन एसोसिएशन, महिला समिति, महाकोशल राज्य संघर्ष मोर्चा, कछपुरा विक्रेता संघ आदि शामिल हुए। सर्वसम्मति से मनीष शर्मा को मोर्चा का संयोजक बनाया गया। बैठक में यह रहे उपस्थित प्रफुल्ल सक्सेना, गोपाल पाराशर, शेरन मैथ्यूज, राकेश चक्रवर्ती, मयंक राज, अंकित गोस्वामी, विनोद पांडे, सेवेद्व बर्मन।

सेवा मेरा योगदान अभियान कल से

ग्राम पंचायत स्तर पर होंगी स्वच्छता सहित अन्य गतिविधियां

नवप्रदेश/जबलपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन एवं उनकी 25 वर्षों की अखिरल सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत जन-कल्याण और सेवा भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘सेवा मेरा योगदान’ अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जा रहा है ।

यह अभियान प्रदेश के सभी जिले, विकासखंड, नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत स्तर पर 9 प्रमुख गतिविधियों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। ‘सेवा मेरा योगदान’ अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जी की जयंती को ‘स्वच्छता ही सेवा’ गतिविधि के साथ की जाएगी। इस दिन ‘स्वच्छ परिसर-स्वस्थ समाज’ का संदेश देते हुए जागरूकता रैलियों और जनसंवाद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों के दौरान प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने का संकल्प लिया जाएगा, गीले व सूखे कचरे के पृथक्करण की



जानकारी दी जाएगी तथा स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही कुओं, बावडियों, नदियों व घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान, श्रमदान और दीप-आरती के कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान के दूसरे दिन शनिवार 3 अक्टूबर को सभी स्तरों पर व्यापक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, परामर्श और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया जाएगा। शिविरों में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छ जीवनशैली का प्रचार किया जाएगा तथा गंभीर रोगियों को बड़े अस्पतालों में रेफर करने के लिए मार्गदर्शन और शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

रविवार 4 अक्टूबर को जिला स्तर पर वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव सुने जाएंगे और उन्हें भोजन, फल, दैनिक सामग्री व स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी जाएगी। वहीं अनाथालयों में बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें भोजन, फल, वस्त्र, स्टेशनरी व खेल सामग्री वितरित की जाएगी। अभियान के तहत नागरिकों की दृष्टि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मॉलवार 6 अक्टूबर को जिला एवं विकासखंड स्तर पर नेत्र जाँच शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों द्वारा आँखों की जाँच कर उपचार दिया जाएगा और जरूरतमंदों को मुफ्त

बैंक खातों से 2.68 लाख रुपए पार

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र निवासी युवक के दो बैंक खातों से बिना ओटीपी साझा किए 2 लाख 68 हजार 960 रुपए ट्रांजेक्शन कर निकाल लिए गए। गुलौआ चौक निवासी अतुल विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि उसके यूनियन बैंक खाते से चार और इंडियन बैंक खाते से तीन बार में रकम निकाली गई। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन के मैसेज आने के बाद उसे ठगी का पता चला। पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल अपडेट के बाद फोन-पे से 30 हजार रुपए की ठगी

जबलपुर। खमरिया थाना क्षेत्र में मोबाइल हैक कर यूपीआई के माध्यम से 30 हजार रुपए निकालने का मामला सामने आया है। पिंपरिया निवासी अभिषेक महोबिया ने पुलिस को बताया कि 24 सितंबर को पेट्रोल पंप उमरिया के पास उसका मोबाइल अपने आप कई बार अपडेट हुआ। मोबाइल चालू होने के बाद उसके पिता के सेंट्रल बैंक खाते से 30 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। अभिषेक अपने पिता का बैंक खाता फोन-पे पर चलाता था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

चालान देखने भेजी लिंक, क्लिक करते ही 2.34 लाख की ठगी

जबलपुर। रांछी थाना क्षेत्र की डीडी कॉलोनी निवासी महिला साइबर ठगी का शिकार हो गईं। सोनलता चॉर्लेस (57) ने पुलिस को बताया कि 17 सितंबर को व्हाट्सएप पर उसके वाहन का 2 हजार रुपए का चालान होने का मैसेज आया। साथ में भेजी गई लिंक पर उसने चालान देखने के लिए क्लिक कर दिया। दो-तीन दिन बाद अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल हैक कर यूनियन बैंक और एसबीआई खातों से 2 लाख 34 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

ऑटो चालक से मारपीट

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए देने से मना करने पर ऑटो चालक से मारपीट का मामला सामने आया है। रामपुर मांडवा निवासी विवेक ड्डके ने पुलिस को बताया कि 28 सितंबर की शाम वह सवारी छोड़ने टेंडर-2 मांडवा गया था। मंदिर के पास आगुप्त बिनोदिया अपने साथी टिंकू के साथ आया और शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगने लगा। रुपए देने से मना करने पर दोनों ने गाली-गलौज कर हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

जबलपुर से तीर्थ यात्रियों को लेकर गया जी रवाना हुई विशेष ट्रेन

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत मंगलवार की शाम जबलपुर से करीब 189 तीर्थ यात्रियों को लेकर वाराणसी से आगयी स्पेशल ट्रेन गया जी रवाना हुई। गया जी रवाना होने के पहले सभी तीर्थ यात्रियों का रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया गया। उन्हें भोजन के पैकेट और फल प्रदान किये गये।



अधिक संधिग्न नित्युक्तियां भी जांच के दायरे में है। दल के मुताबिक डाक विभाग में नियुक्त अर्थर्थियों की 10वीं की अंकसूचियों का संबंधित शैक्षणिक बोर्डों से सत्यापन कराया गया था। जांच में इनमें से कुछ अर्थर्थियों द्वारा प्रस्तुत अंकसूचियां संबंधित बोर्डों द्वारा जारी नहीं किए जाने की जानकारी सामने आई थी। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि अलग-अलग अर्थर्थियों ने विभिन्न राज्यों के शैक्षणिक बोर्डों के नाम पर तैयार दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार कुछ दस्तावेज बिहार, झारखंड और जम्मू-कश्मीर सहित अलग-अलग राज्यों के बोर्डों से संबंधित बताए गए हैं।

इस मामले में जबलपुर शहर के विभिन्न डाकघरों में इनकी पोस्टिंग थी। इसमें मानवेंद्र सिंह, राजा बाबू अहिरवार, सौरभ शर्मा, प्रदीप कुमार और नयन कुमार सहित अन्य अर्थर्थी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार मानवेंद्र सिंह को कुंडम, राजा बाबू और सौरभ शर्मा को पाटन, प्रदीप कुमार को उमरिया-बरेला तथा नयन कुमार को शाहपुरा क्षेत्र के डाकघर में पदस्थ किया गया था। इसके अलावा बद्री प्रसाद यादव, देवेन्द्र सिंह चौहान, रमकांत शर्मा को भी विभाग में पदस्थ किया गया था। दस्तावेजों के सत्यापन में गड़बड़ी सामने आने के बाद डाक विभाग ने इन आठ अर्थर्थियों की सेवाएं समाप्त कर दी थीं।

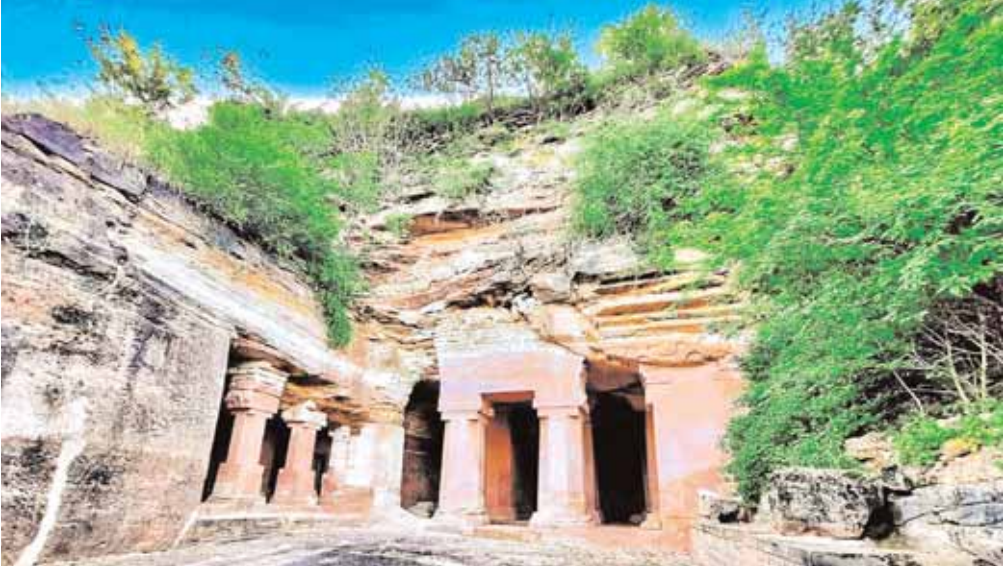
चरमे बाटे जाएंगे। गंभीर मामलों में अस्पताल में इलाज या ऑपरेशन के लिए आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। **दिव्यांगजन सशक्तिकरण और कौशल विकास :** 8 अक्टूबर गुरुवार को जिला स्तर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें दिव्यांगों को स्वरोजगार व कौशल विकास का मार्गदर्शन दिया जाएगा, सहायक उपकरण बांटे जाएंगे और उनके द्वारा निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही प्रतिभावान दिव्यांगों को सम्मानित कर प्रेरक संवाद का आयोजन होगा। पर्यावरण संरक्षण और राष्ट सेवा के संदेश के साथ शुक्रवार 9 अक्टूबर को दो बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें ‘एक पेड़ माँ के नाम’, ‘एक व्यक्ति-एक पौधा’ तथा ‘एक परिवार-एक पौधा’ अभियानों के तहत व्यापक पौधरोपण किया जाएगा। इसी दिन वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान कर उनसे आत्मीय संवाद किया जाएगा, जिससे युवाओं में राष्ट्रसेवा व अनुशासन की भावना जागृत हो सके। अभियान के अंतिम दिन शनिवार 10 अक्टूबर को जिला एवं विकासखंड स्तर पर शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें जरूरतमंद व मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म और जूते प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त ‘एक विद्यार्थी-एक संकल्प’ पहल के माध्यम से सक्षम नागरिकों व संस्थाओं को बच्चों की शिक्षा में दीर्घकालीन सहयोग के लिए जोड़ा जाएगा।

अतिरिक्त बल उपलब्ध कराय़ा गया है, तो शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त जवान क्यों नहीं दिखाई देते?

नो-एंट्री के नियमों पर भारी सवालों: अनुप्रवेश शहर में दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर नो-एंट्री लागू होने की बात कही गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस व्यवस्था का प्रभाव ही ढ़ा से पालन नहीं कराय़ा जा रहा है। ओर कुछ भारी वाहनों को कथित रूप से नियमों से छूट देकर शहर में प्रवेश कराय़ा जाता है। जिससे पूरे शहर की वयवस्था पूरी तरह से बेतरतीब हो चुकी है। यातायात पुलिस के कुछ जवानों को शहर की यातायात व्यवस्था के बजाय शहर रोड, पेंड्रा रोड और शहडोल-मनेन्द्राढ़ मार्ग, जैतुरी रोड-केन्दनगर मार्ग पर लंबे समय तक तैनात देखे जाते हैं।

यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में भारत के 5 नए स्थल जोड़े गए

नई दिल्ली/ए। यूनेस्को की अस्थायी सूची में भारत के पांच नए स्थल और श्रृंखला तथा अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। इससे भारत के स्थलों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। नवनिर्मित स्थलों में बाघ गुफा चित्रों की बौद्ध भित्ति चित्रकारी, चंबल घाटी के मंदिर समूह, गुप्त काल की उदयगिरि गुफाएं और गिन्नोरगढ़ की जनजातीय विरासत शामिल हैं। इसमें सत्याग्रह स्थल भी शामिल है, जो भारत और दक्षिण अफ्रीका को जोड़ने वाला श्रृंखला श्रेणी का अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव है। PIB Culture ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में इसे देश की विरासत के लिए एक गौरवशाली उपलब्धि बताया। इसमें कहा गया, भारत की यूनेस्को की



संभावित सूची में अब 78 साइट्स शामिल हैं, जिनमें 5 नई साइट्स जोड़ी गई हैं: बाघ गुफाओं की पेंटिंग, चंबल घाटी के मंदिरों का समूह, उदयगिरि गुफाएं, गिन्नोरगढ़ और - का संयुक्त अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव - 'सत्याग्रह स्थल'।



भारत की समृद्ध विरासत के लिए एक गर्व का पल। एक सोशल मीडिया पोस्ट में संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि ये नए स्थल भारत की विरासत की असाधारण विविधता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रगति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की

सभ्यतागत विरासत को वैश्विक मंच पर संरक्षित, सुरक्षित और प्रदर्शित करने के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है। यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार, मध्य प्रदेश की उदयगिरि पहाड़ी पर चट्टानों को काटकर बनाए गए पवित्र स्थलों का एक समूह है।

पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ए। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखे जलाने वाले मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि पूरे देश में पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने पर विचार नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक भावनाओं, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जस्टिस एम. एम. सुंद्रेश ने कहा कि चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने संकेत दिया कि कोर्ट पटाखे जलाने के लिए तय समय और इस्तेमाल किए जा सकने वाले पटाखों के प्रकार पर विचार करेगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार और सीपीसीबी को बेरियम की जांच और डेसिबल लेवल तय करने, संयुक्त फ़ायर टेस्ट के लिए समय भी दिया। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट में बताया कि बेरियम-बेस्ड पटाखों की आउटडोर टेस्टिंग अभी होनी बाकी है। इसके लिए उन्होंने कोर्ट से 15 अक्टूबर तक का समय मांगा। सुनवाई के दौरान उन्होंने



बताया कि कुछ शर्तों के साथ जॉइंट पटायें बनाए जा सकते हैं। इस कोर्ट ने सवाल किया कि जॉइंट पटायें क्या होते हैं? इस पर भाटी कहा कि ये लड़ी जैसे होते हैं। इन पर भी बैन लगाया गया था। बता दें कि जॉइंट पटाखा/लड़ी कई छोटे-छोटे पटाखों को एक धागे या तार के सहारे एक साथ आपस में जोड़कर बनाई गई एक लंबी माला होती है। इसे बोलचाल की भाषा में 'पटाखों की माला' 'लड़ी', या 'चटाई पटाखा' भी कहा जाता है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि दिवाली के दौरान फसलें भी जल जाती हैं। इस दौरान दो दिनों में पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम न तो पूरी तरह से बैन लगाने जा रहे हैं और न ही उन्हें 24 घंटे तक ऐसा करने की इजाजत देंगे।

भारत-सऊदी अरब ने संसदीय सहयोग मजबूत करने पर की चर्चा

नई दिल्ली/ए। भारत और सऊदी अरब ने संसदीय सहयोग तथा आदान-प्रदान को मजबूत करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा की। यह बातचीत सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल और शूरा कार्जिसल के स्पीकर डॉ. अब्दुल्ला अल-अल-शेख के बीच 29 सितंबर को हुई बैठक के दौरान हुई। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि बैठक में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। इसमें संसदीय सहयोग और आदान-प्रदान को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने भारतीय संसद और शूरा कार्जिसल के बीच संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी बात की।

शूरा कार्जिसल ने अपने पोस्ट में कहा कि बैठक के दौरान सऊदी अरब और भारत के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की गई। विभिन्न क्षेत्रों में इन्हें मजबूत करने के



विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह की सऊदी यात्रा

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह 5 से 8 सितंबर तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण, जल और कृषि उप-मंत्री मंसूर हिलाल अल मुशैती से मुलाकात कर पर्यावरण तथा जलवायु कार्रवाई में सहयोग पर चर्चा की। मंत्री ने अल फ्नार कंपनी के लेंबर कैंप में भारतीय कामगारों से भी मुलाकात की और उनकी भूमिका

की सराहना की। उन्होंने विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय, खासकर कामगारों के कल्याण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।सिंह ने सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री और जलवायु दूत अदेल् अल-जुबैर से भी मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की समीक्षा की और जलवायु कार्रवाई पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

तरीकों पर चर्चा हुई, खासकर शूरा कार्जिसल और भारतीय संसद के

बीच संसदीय संबंधों को साझा हितों के अनुरूप आगे बढ़ाने पर। बैठक में शूरा कार्जिसल के सदस्य और सऊदी-भारतीय संसदीय मैत्री समिति के अध्यक्ष मेजर जनरल डॉ. अब्दुल रहमान अल-हरबी भी मौजूद रहे।

पिछले दिनों हुई अन्य महत्वपूर्ण मुलाकातें

इससे पहले 20 सितंबर को राजदूत विपुल ने रियाद के गवर्नर प्रिंस फैसल बिन बंदर बिन अब्दुलअजीज अल सऊद से मुलाकात की थी। इसमें व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। राजदूत ने सऊदी अरब में भारतीय समुदाय को दिए जा रहे समर्थन के लिए गवर्नर का आभार भी व्यक्त किया।10 सितंबर को राजदूत विपुल ने सऊदी अरब के रक्षा राज्य मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल बियारी से मुलाकात की।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर।
घंटे भावों पर माँग से बुधवार को अनाज मूंग में चना बढ़त पर रहा। उड़द व भूँ में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सुस्ती रही। किराना जिनसे में शकर में तेजी अटकी। नारियल मजबूत बना रहा।
व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में घंटे भावों पर लेवाली रहने से बाजार 50-100 रु. क्री/टन उखल गये। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सुस्ती बनी। उच्च किराना जिनमें में शक्कर में कमोवेश नरमी देखी गयी। नारियल में मजबूती बनी रही। भाव इस प्रकार रहे :
किराना : शक्कर 4710-4770, खोपरा गोला 340-380, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सॉफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौँफ बासी?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौँठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 किग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीख 180-200, हरी इलायची

शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानाबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तबबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगपुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एक्वेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,
तेल : साँगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया सल्वेंट 1350-1355, सोया रिफाईंड 1410-1415, कपास्या 1490, घृतिया 1485, कड़ी 1490,
रात की धारणा : गुजरात लुज 1675-1700, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1450,
खली : कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहापुर 2660, अकोला 3950 (प्रति किंटरल)
तिलहन : सरसो 8300, रायड 7100-7300, सोयाबीन 5600-5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिख्खी पुरानी 6500-7000, तिख्खी नई 7200-7500,

दलहन : चना काटेवाला बेस्ट 71000-7150, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एक्वेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8000-8100, मूंग पुराना बोल्ड 8200-8300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एक्वेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9400-9700, उड़द गर्मी 9000-9400, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, हल्की 4000-6000,
दाल : चना दाल एक्वेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,
अनाज : गेहूँ मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एक्वेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एक्वेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,
चावल : चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मोनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबारा 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,
मावा : इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रु. प्रति किलो।

राज्यसभा चुनाव से पहले केशव मौर्य का बड़ा दावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य का राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। चुनाव आयोग द्वारा मतदान की तारीख तय करने में जुट गए हैं, लेकिन इस बीच आए बयानों ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष आयोग और ईवीएम पर महं देता है, लेकिन जब खुद बीजेपी के दल किसी प्रभ्र में न रहे, बल्कि बीजेपी उन्हें ऐसा सरप्राइज देगी जिसकी उन्होंने उम्मीद भी नहीं की होगी। इसके साथ ही केशव मौर्य ने विरोधी



दलों के 'ईडिया' गठबंधन को निशाने पर लेते हुए उसे 'भानुमति का कुनबा' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन पूरी तरह बिखर चुका है और इसमें कोई आपसी एकता नहीं है। जब भी विपक्ष चुनाव हारता है तो इसका दोष चुनाव आयोग और ईवीएम पर महं देता है, लेकिन जब खुद बीजेपी के दल किसी सफलता बताता है। प्रदेश की जनता विपक्षी दलों के इस रवैये का मुंहतोड़ जवाब देगी। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर पक्षपात का गंभीर आरोप लगाया है। अखिलेश यादव का कहना है कि बीजेपी सरकार बनने के बाद से ही राज्य में एकतरफा और भेदभावपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

ग्रीको-रोमन रेसलिंग में सुनील कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा

नई दिल्ली/ए। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फितीपीस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेस्लर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोंडिचerry पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर



पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई। सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया।

एसआईआर प्रक्रिया में बड़ा फैसला, अब व्हाट्सएप पर भेजे वोटर डॉक्यूमेंट भी मान्य

मुंबई। महाराष्ट्र से एसआईर प्रक्रिया को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी एस. चोकरांगम ने चुनाव अधिकारियों से कहा है कि वे एसआईआर प्रक्रिया के दौरान व्हाट्सएप से भेजे गए वोटर डॉक्यूमेंट्स भी अब मान्य होंगे। बुधवार को एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बीएलओ को यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि जरूरत पड़े तो वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए लोगों के घर जाएं। राज्य चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि लोग ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर द्वारा जारी नोटिस का जवाब अपने बीएलओ को व्हाट्सएप पर भी भेजकर दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि बीएलओ को यह भी निर्देश दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए लोगों के घर जाएं। इसके पहले अधिकारियों ने बताया था कि चोकरांगम ने चुनाव आयोग से ईसीआईनेट



कब तक दाखिल कर सकते हैं दावे-आपत्तियां?

महाराष्ट्र में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के लिए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 12 अक्टूबर कर दी गई है। साथ ही नोटिस और दावों-आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा 10 नवंबर तक है और पड़नल पब्लिकेशन की तारीख 16 नवंबर है।

सॉफ्टवेयर में बदलाव करने का अनुरोध किया है, जिससे कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के मामले में स्वयं निर्णय ले सकें।

काँफी विद् करण 9: करण जौहर ने की नौवें सीजन की घोषणा

मुंबई। फ़िल्मेकर करण जौहर अपने टॉक शो 'काँफी विद् करण' को होस्ट करने के लिए आने जाते हैं। फैंस को भी लंबे वक्त से 'काँफी विद् करण' के अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार था। अब बुधवार को मेकर्स ने इसके नौवें सीजन की घोषणा, एक प्रोमो के जरिए कर दी है। मगर यह सिर्फ़ प्रोमो नहीं बल्कि करण की तरफ से एक 'भावुक संदेश' भी है। करण जौहर ने 'काँफी विद् करण 9' का एलान करने के साथ-साथ अपने 22 साल पुराने सफ़र पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'मैंने 2004 में काँफी विद् करण शुरू किया था। मुझे याद है कि जब मैंने अपने पिता से इस 'चैट शो का आइडिया शेयर किया। उन्होंने कहा कि तुम तो वैसे भी रोज चार दोस्तों से मिलकर बात करते हो, तो तुम्हें एक टॉक शो शुरू करने की क्या जरूरत है? इसके कुछ ही दिनों बाद मैंने अपने पिता



को खो दिया। इसके बाद मैंने यह शो शुरू किया।' इस वीडियो में आगे करण ने कहा, '8 सीजन, 161 एपिसोड में काफ़ी कुछ बदला। इस शो में लवर्स आए, जो बाद में जाकर एक्स लवर्स हो गए। कुछ ऐसे थे जो जुड़े रहे, परिवारों के साथ दोस्त भी शामिल हुए। शो में हुई अनगिनत बातचीत सुखियां, मीम्स, बहस और कभी न भूलने वाली यादें बन गईं। कुछ सफ़र ऐसे होते हैं जिन्हें खत्म करने की आप कोई योजना नहीं बनाते, बस, आपके मन में कहीं गहराई में यह बात होती है कि उन्हें कब छोड़ना

है। 'काँफी विद् करण' मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास हिस्सा रहा है। इसमें मुझे दोस्त, यादें, पूरी तरह से मस्ती भरे पल, ढेर सारा प्यार और हां, कुछ विवाद भी दिए हैं। मगर अब यह इस शो का आखिरी सीजन है।' करण जौहर ने इस प्रोमो वीडियो में फैंस के सामने एक बड़ा खुलासा किया उन्होंने कहा, 'इन सबके बीच जो चीज हमेशा बनी रही, वह है दर्शक। वे हमारे साथ हंसे, हमसे बहस की, हमें ट्रोल् किया, हमें सराहा और सबसे जरूरी बात, वे बार-बार एक और कप के लिए वापस आते रहे। कल के लिए कहना भावुक कर देने वाला है, लेकिन यह सही भी लगता है। यह आखिरी सीजन उन सभी लोगों के प्रति आभार और प्यार के साथ एक आखिरी बार मन उठाने का मेरा तरीका है, जिन्होंने 'काँफी विद् करण' को वह बनाया है जो यह आज है।

